बिहार सरकार

आपदा प्रबंधन विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक–06.10.2019 समयः 02.00 बजे अपराह्न

माह सितम्बर 2019 में दिनांक 27.09.2019 से 30.09.2019 तक राज्य में अप्रत्याशित वर्षा होने एवं नदियों के जल स्तर में वृद्धि से पटना, भोजपुर, भागलपुर, नवादा, नालन्दा, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, मुंगेर, बक्सर, कटिहार, जहानाबाद, अरवल, पूर्णियाँ जिले मुख्य रूप से बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। वर्त्तमान में बक्सर एवं नालन्दा जिले में बाढ़ की स्थिति सामान्य है।

बाढ़ से 15 जिलों के 95 प्रखण्डों के 545 पंचायतों के अन्तर्गत कुल 1410 गाँव की लगभग 20.76 लाख जनसंख्या प्रभावित हुई है। वर्त्तमान में **बाढ़ पीड़ितों के सहायतार्थ 75 राहत शिविर एवं 515 सामुदायिक रसोई का संचालन किया जा रहा है। आबादी निष्क्रमन एवं आवागमन को सुगम बनाने हेतु कुल 1067 सरकारी एवं निजी नावों का संचालन किया जा रहा है।** इन जिलों में बाढ़ से प्रभावित व्यक्तियों को एस0डी0आर0एफ0/एन0डी0आर0एफ0 टीमों के सहयोग से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। आबादी निष्क्रमन तथा राहत एवं बचाव कार्यों के निमित्त कुल **23 एन0डी0आर0एफ0/ एस0डी0आर0एफ0** टीमों को लगाया गया है, जिसमें गौहाटी से बुलाये गये एन0डी0आर0एफ0 के अतिरिक्त 4 टीमें शामिल हैं। अबतक नदी/तालाब/ पोखर में डूबने / दिवार गिरने से **61 मानव क्षति एवं 10 व्यक्ति की घायल** होने तथा बाढ़ से डूबने के कारण **36 मानव क्षति कुल 97 मानव क्षति** की सूचना प्राप्त हुई है।

पुनपुन नदी के स्तर में वृद्धि के कारण **पटना सदर, पुनपुन, धनरूआ, पालीगंज, सम्पतचक, नौबतपुर एवं फुलवारी शरीफ प्रखण्ड** के **25 पंचायतों** के अन्तर्गत कुल **53 गाँव** के लगभग **87 हजार जनसंख्या** प्रभावित हुई हैं। कुल **41 संचालित समुदायिक रसोई** के माध्यम से लोगों को भोजन कराया जा रहा है। कुल **04 एस0डी0आर0एफ0 टीमों** को **04 जगह 16 मोटर बोट** के साथ एवं **एन0डी0आर0एफ0 की कुल 05 टीमों** को **04 जगह 24 मोटर बोट** के साथ तैनात किया गया हैं।

पटना शहर के जल–जमाव वाले क्षेत्रों में जल निकासी हेतु पटना नगर निगम द्वारा कार्रवाई की जा रही है। अबतक अधिकांश क्षेत्रों में जल निकासी की जा चुकी है। शेष क्षेत्रों में जमे जल की निकासी लगातार की जा रही है।

जल–जमाव क्षेत्रों में साफ–सफाई, फॉगिंग एवं ब्लिचिंग पॉउडर के छिड़काव की कार्रवाई **नगर निगम, पटना के** द्वारा की जा रही है। **80 वाटर टैंकर** के माध्यम से पेयजल की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीमों के द्वारा **हैलोजन टेबलेट का वितरण** एवं **चिकित्सा सुविधा** उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।